तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 17 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 30-01-2024 से 05-02-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

एक राष्ट्र, एक चुनाव

पहला एक साथ चुनाव केवल 2029 में

यदि भारत में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते हैं, तो चुनाव आयोग को नई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें खरीदने के लिए हर 15 साल में अनुमानित 10,000 रुपये करोड़ की आवश्यकता होगी। चुनाव आयोग ने कानून मंत्रालय को लिखे अपने नोट में कहा कि आम और राज्य चुनावों को एक साथ कराने के लिए संविधान के पांच अनुच्छेदों में संशोधन की आवश्यकता होगी। केंद्र को भेजे गए एक संदेश में, पोल पैनल ने कहा कि ईवीएम की शेल्फ लाइफ 15 साल है। अगर चुनाव एक साथ कराए जाएं तो मशीनों के एक सेट का इस्तेमाल उनके जीवन काल में तीन चक्रों के चुनाव कराने के लिए किया जा सकता है। अनुमान के मुताबिक, आगामी आम चुनावों के लिए पूरे भारत में कुल 11.80 लाख मतदान केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता होगी। एक साथ मतदान के लिए प्रति मतदान केंद्र पर दो सेट ईवीएम की आवश्यकता होगी।

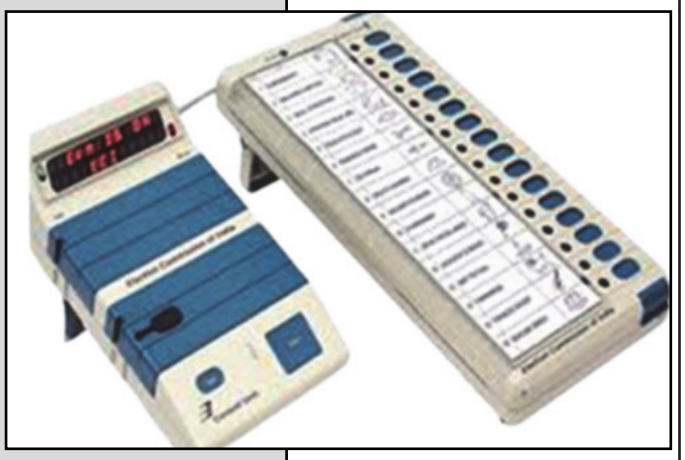

एक चुनाव के लिए हर 15 साल में 10,000 करोड़ की जरूरत-ईसी ने केंद्र से कहा

चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव के दिन सहित विभिन्न चरणों में दोषपूर्ण इकाइयों को बदलने के लिए नियंत्रण इकाइयों, मतपत्र इकाइयों और मतदाता-सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल मशीनों का एक निश्चित प्रतिशत रिजर्व के रूप में आवश्यक है।

एक ईवीएम के लिए कम से कम एक Control Unit, एक Ballot Unit और एक VVPAT मशीन की जरूरत होती है। परिणामस्वरूप, चुनाव आयोग को एक साथ मतदान के लिए 46,75,100 मतपत्र इकाइयों, 33,63,300 नियंत्रण इकाइयों और 36,62,600 वीवीपीएटी मशीनों की आवश्यकता होगी।

पोल पैनल ने कहा कि ईवीएम की अस्थायी लागत में प्रति बैलेट यूनिट 7,900 रुपये प्रति कंट्रोल यूनिट 9,800 रुपये और प्रति वीवीपैट 16,000 रुपये शामिल है।

पहला एक साथ चुनाव केवल 2029 में

ईवीएम और अधिक वाहनों के लिए बढ़ी हुई भंडारण सुविधाओं के अलावा अतिरिक्त मतदान और सुरक्षा कर्मियों की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, चुनाव आयोग ने कहा कि पहला एक साथ चुनाव केवल 2029 में हो सकता है।

संविधान के 5 अनुच्छेदों में संशोधन की जरूरत होगी

चुनाव आयोग ने कानून मंत्रालय को लिखे अपने नोट में कहा कि एक साथ आम और राज्य चुनाव के लिए संविधान के पांच अनुच्छेदों में संशोधन की आवश्यकता होगी। जिन प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता है उनमें संसद के सदनों की अवधि से संबंधित अनुच्छेद 83 और राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा के विघटन पर अनुच्छेद 85 शामिल हैं। एक अन्य अनुच्छेद जिसमें संशोधन की आवश्यकता होगी वह है राज्य विधानमंडलों की अवधि पर अनुच्छेद 172, जबकि राज्य विधानमंडलों के विघटन से संबंधित अनुच्छेद 174, और राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने से संबंधित अनुच्छेद 356 में भी संशोधन की आवश्यकता होगी, पीटीआई की रिपोर्ट में कहा गया है।

पैनल ने यह भी कहा कि दलबदल के आधार पर अयोग्यता से संबंधित दसवीं अनुसूची में भी आवश्यक बदलाव की आवश्यकता होगी।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति द्वारा परामर्श प्रक्रिया

भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित एक राष्ट्र एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति द्वारा परामर्श प्रक्रिया शुरू की गई है। इस परामर्श प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, नागरिकों, राजनीतिक दलों, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों जैसे प्रख्यात न्यायविदों, संवैधानिक विशेषज्ञों, पूर्व सीईसी सहित अन्य लोगों से सुझाव और सुविचारित विचार मांगे जाते हैं। इस परामर्श के हिस्से के रूप में, 17 जनवरी को एचएलसी के अध्यक्ष ने नई दिल्ली में मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुनीश्वर नाथ भंडारी से मुलाकात की। आज दोपहर विचार-विमर्श जारी रखते हुए, एचएलसी के अध्यक्ष ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोर्ला रोहिणी और भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त श्री सुशील चंद्रा के साथ चर्चा की। आने वाले दिनों में भी परामर्श प्रक्रिया जारी रहेगी।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज

इस सप्ताह सबकी निगाह देश की अर्थव्यवस्था पर है, तो यह स्वाभाविक ही है। बजट का समय खुद को सजग नागरिक बनाने का भी अवसर होता है। बजट पेश करने से पहले सरकार अपनी एक विस्तृत समीक्षा रिपोर्ट भी पेश करती है, जिसे आर्थिक सर्वेक्षण कहा जाता है। हालांकि, इस बार देश में आम चुनाव की वजह से अंतरिम बजट पेश होना है, तो आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट चुनाव के बाद पेश होने वाले आम बजट से पहले पेश की जाएगी। फिर भी, वित्त मंत्रालय ने एक संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है। सुखद है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किए जाने से दो दिन पहले 29 जनवरी को वित्त मंत्रालय ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था अगले साल 7 प्रतिशत के करीब जीडीपी विकास दर हासिल कर सकती है। यदि कोई प्रतिकूल स्थिति नहीं बनी, तो आगामी वित्त वर्ष में देश सात प्रतिशत से भी ज्यादा की विकास दर हासिल कर सकता है। सबसे बड़ी बात कि साल 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद की जा सकती है। संसद में 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश होना है और जिस तरह का अनुमान आंशिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में लगाया गया है, उससे यही लगता है कि यह अंतरिम बजट विकास को गति देने वाला होगा। अभी सब कुछ ठीक चल रहा है और आगामी तीन वर्ष में भारत 5 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। वित्त मंत्रालय की इस संक्षिप्त रिपोर्ट में फिर एक बार याद दिलाया गया है कि साल 2047 तक भारत विकसित देश बन जाएगा। वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन पेश होने जा रहे अंतरिम बजट को लेकर भी उत्साहित हैं और उन्हें भी चुनाव बाद पेश होने वाले आम बजट का इंतजार होगा। इसमें कोई शक नहीं कि भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार तुलनात्मक रूप से सराहनीय है और इसे सबसे ज्यादा मदद घरेलू मांग से मिल रही है। डेढ़ अरब की आबादी की ओर बढ़ रहा देश अपने आप में एक बड़ा बाजार है। एक इतना बड़ा बाजार कि जिसमें उत्तरी अमेरिका और यूरोप का बाजार भी समा सकता है। अतः अपने लोगों की मांगों को ही अगर पूरा किया जाए, तो भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर ठीक-ठाक बनी रह सकती है। दूसरी बात, भारत में निवेश में भी वृद्धि हुई है और इसका कमोबेश संकेत भारतीय शेयर बाजार से भी मिल रहा है। बुनियादी ढांचे- भौतिक और डिजिटल, दोनों में निवेश के साथ आपूर्ति पक्ष भी मजबूत हुआ है। उत्पादन बढ़ा है, क्योंकि मांग का दबाव लगातार बना हुआ है। यही वजह है कि सात प्रतिशत की विकास दर का अनुमान स्वाभाविक लगता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था अनुमान से कहीं अधिक गति से बढ़ रही है। वैसे, अर्थव्यवस्था पर अब भी भू-राजनीतिक संघर्षों का बड़ा जोखिम मंडरा रहा है। देश में आंतरिक रूप से जहां शांति कायम रहनी चाहिए, वहीं बाहर से भी चुनौतियों का हमला अगर न हो, तो भारत अपने लक्ष्यों को जल्दी से जल्दी पाने में कामयाब हो सकता है। ध्यान रहे, अरब दुनिया के साथ ही, यूक्रेन में भी चल रहे युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। आगे चुनावी वर्ष में हमें यह उम्मीद करनी चाहिए कि अर्थव्यवस्था में तेजी बनी रहेगी, ताकि भारत की आबादी के हिसाब से रोजगार के अवसर भी लगातार बढ़ते रहें।

भगवान बचाये 'सूचना' जैसी मां से

कोई मां भला कैसे निर्दयी हो सकती है? क्रूर हो सकती है? कैसे अपने जिगर के टुकड़े को बैग में पैक कर सड़क रास्ते लंबे सफर पर बेखौफ निकल सकती है? इसके जवाब मनोचिकित्सकों के पास अपने-अपने ढंग के और अलग भी हो सकते हैं।

लेकिन गोवा में एक आम नहीं बल्कि बेहद खास वो मां जिसने देश-दुनिया को अपनी सफलता से आकर्षित किया और निर्दयता और क्रूरता की सारी हदें पार कर जाए तो हैरानी होती है। गोवा में जघन्य हत्याकांड ने जहां हर किसी को झकझोरा, वहीं कई सवाल भी खड़े कर दिए। बेहद पढ़ी-लिखी मां जिसे दुनिया आदर्श समझती थी, वही अपराधी निकले? सवाल यकीनन कचोटने वाला है। लेकिन जवाब आसान भी नहीं है।

पति-पत्नी के रिश्तों में तल्खी आना असामान्य नहीं है। लेकिन ऐसा भी क्या नफरत जो इसकी बलि वेदी पर खुद का मासूम चढ़ा दिया जाए? निश्चित रूप से बेकाबू गुस्सा, सोचने, समझने की शक्ति पर नियंत्रण खोना इंसान को कितना हैवान बना देता है। तमाम घटनाओं से यही समझ आता है।

लेकिन सूचना सेठ ने जिस शातिर अंदाज में अपनी इकलौती संतान को मौत की नींद सुलाया वह बेहद अलग और चिंतनीय है। जैसा कि खुलासों से पता चला है कि बच्चे को अत्यधिक कफ सिरप पिलाकर बेसुध कर उसका दम घोंट मौत की नींद सुला दिया गया। लाश बैग में भर आधी रात को बड़े बेखौफ अंदाज में बेधड़क होटल के रिशेप्शन पर कैब ड्राइवर को पकड़ाना और सड़क रास्ते गोवा से बेंगलुरु के लंबे सफर पर निकलना किसी हॉरर स्टोरी से कम नहीं है।

रास्ते भर चुप्पी और सामान्य हाव-भाव बनाए रखना। बारह घंटे लाश के साथ सफर करना यकीनन बेदिल कातिल का ऐसा अंदाज था

जैसे वह इंसान नहीं एआई (आर्टिफीसियल इंटेलीजेंस) हो। इस मां की सारी करतूत बेहद हैरतअंगेज है। गनीमत रही कि जहां होटल स्टाफ को संदेह हुआ, वहीं कैब ड्राइवर भी परेशान था कि हवाई यात्रा के मुकाबले बेहद लंबे सफर पर निकली महिला इतनी शांत और सहज कैसे है? शक और कमरे में मिले सबूतों की बिना पर होटल वाले पुलिस को इत्तला करते हैं। पुलिस कैब वाले से कोऑर्डिनेट करती है।कैब ठिकाने के बजाय सीधा थाने पहुंच जाती है। वहां बैग में कपड़ों के बीच छुपा चार साल के मासूम का शव मिलता है। इस तरह एक बेमिसाल महिला के हाथों हुए क्रूरतम हत्याकांड से हर कोई सन्न रह जाता है। न जाने कितनी निर्दयी माताओं की कैसी-कैसी क्रूरतम वारदात सुनी और देखी हैं।

एआई के जरिए माइंडफुल एआई लैब से कृत्रिम आदर्श और नैतिकता का आधुनिक पाठ पढ़ाने वाली सूचना सेठ ने कैसा घटिया माइंड गेम खेला जिससे हर कोई स्तब्ध है। उसके अनैतिक कारनामे की जितनी भी निंदा की जाए कम है और कठोर से कठोर सजा भी नाकाफी है। कोई अपढ़, ठेठ गंवई, दकियानूसी होता तो थोड़ा समझ भी आता। लेकिन एक पढ़ी-लिखी असाधारण महिला जिसकी बेहद तगड़ी प्रोफाइल हो।

एक कंपनी की सीईओ और हार्वर्ड की रिसर्च फेलो हो। जिसका नाम-2021 की एआई एथिक्स में टॉप 100 ब्रिलियंट महिलाओं में शुमार हो। जिसने दो साल बर्कमैन क्लेन सेंटर में एक सहयोगी का काम किया और बोस्टन, मैसाचुसेट्स में एआई तथा रिस्पॉन्सिबल मशीन लर्निंग में भी अपना योगदान दिया। बैंगलुरु की प्रतिष्ठित कंपनी में डेटा साइंटिस्ट का काम कर चुकी हो जिसने दो पेटेंट भी दाखिल किए हों। जिसके पास कलकत्ता यूनिवर्सिटी की भौतिक शास्त्र की स्पेशलाइजेशन की डिग्री हो और जो वहां की 2008 की टॉपर हो, वो ऐसा करे तो हैरानी की हदें भी पार होना स्वाभाविक है।

पश्चिम बंगाल की सूचना सेठ के पति वेंकट रमन बड़े इंडोनेशियाई कारोबारी हैं। 2010 में दोनों ने प्रेम विवाह किया लेकिन जल्द ही रिश्ते बिगड़ गए। तल्खी बढ़ते-बढ़ते अदालत की चौखट तक जा पहुंची जो आखिरी मुकाम पर है। अदालत ने हर रविवार को बेटे को पिता से मिलने की इजाजत दी। यही सूचना सेठ को नागवार गुजरी। उसके एआई पैटर्न के ब्रेन ने जबरदस्त चाल चली। कत्ल से पहले बेटे से बेंगलुरु में मिलने का संदेश देकर पति को गुमराह किया और खुद बेटे को लेकर गोवा आ गई। बेटा पिता से न मिल सके, इस प्रतिशोध में सूचना धधक रही थी। एक सक्षम एन्टरप्रेन्योर होकर भी पति से ढाई लाख रुपये हर माह गुजारा भत्ता भी चाहती थी। शायद सूचना बेहद प्रतिभाशाली होकर भी अकेलेपन का शिकार थी और खुद के बुद्धिमान होने का भ्रम पाले घृणित आपराधिक विकृति के गिरफ्त में जकड़ चुकी थी।

बेटे की हत्या का उसे कोई पश्चाताप नहीं है। बेटे का कुसूर बस इतना था कि उसकी शक्ल पिता से मिलती थी जो सूचना को सालता था। कैसी विकृत सोच थी? नासमझ मां में भी ममता होती है। जानवर तक संतान को बचाने को खूंखार हो जाते हैं। उसमें ईर्ष्या, द्वेष की कैसी-कैसी विकृत मानसिकता पनपी जिसका उदाहरण सामने है। आखिर समाज किस दिशा में जा रहा है? अकेलापन, आपसी मेलजोल की कमी, बिखरता समाज और हाथ में सिमटे मोबाइल से एकाकी बनता जीवन, सामाजिक ताना-बाना बिखेर लोगों को लोगों से अलग कर रहा है। एक वो जमाना था जब संयुक्त परिवार शान थे। गांवों में सांझा चूल्हा जलता जिसमें सबका खाना साथ पकता।

रोज का हंसना, मिलना, उठना, बैठना और सबके सुख-दुख में बराबरी से शरीक होना, किसी मुसीबत या अनबन पर मिल जुलकर हल निकालने से कभी अकेलापन, डिप्रेशन या असुरक्षा की भावना महसूस नहीं होती थी।

आज तरक्की के बीच वो समाज है जिसमें टूटते संयुक्त परिवार की जगह अकेले परिवार हैं जो दिखावे का झूठा मुलम्मा ओढ़ रिश्तों की अहमियत को दरकिनार कर दिनों दिन बेहद खोखले होकर टूटते जा रहा हैं। यही वजह है जो बड़े और हाई प्रोफाइल भी घटिया से घटिया कांड कर बैठते हैं। काश कुछ वक्त टीवी, मोबाइल के स्क्रीन के अलावा घर, परिवार, समाज के लिए भी निकाला जाता जिससे इंसान को इंसान से जोड़े रखने वाली कड़ियां बिखरने न पातीं। इस दिशा में सबको सोचना होगा और रास्ता निकालना ही होगा। कितना अच्छा होता कि गोवा कांड की सूचना समाज के लिए आखिरी होती।

शेयर बाजार

क्या खरीदना और भूल जाना सबसे अच्छी रणनीति है?

ब्लूचिप खरीदें और भूल जाएं, यह सबसे अच्छी रणनीति नहीं है, ऐसा इसलिए है क्योंकि आज के ब्लूचिप्स कल के ब्लूचिप्स के समान नहीं हैं

समय के सबसे सफल निवेशकों में से एक, ने दीर्घकालिक रिटर्न चाहने वाले व्यक्तियों के लिए खरीद-और-पकड़) (खरीदना और भूल जाना) रणनीति को आदर्श बताया। खरीदें और रखें रणनीति में स्टॉक (या ईटीएफ जैसी अन्य प्रकार की प्रतिभूतियां) खरीदना और बाजार में उतार-चढ़ाव की परवाह किए बिना उन्हें कई वर्षों या दशकों तक रखना शामिल है। 90% व्यापारियों ने भारतीय बाजारों में पैसा खो दिया है। सेबी और वित्त मंत्रालय के हालिया अध्ययनों से पता चला है कि पिछले 2 वर्षों में लगभग 90% व्यापारियों ने भारतीय बाजारों में पैसा खो दिया है, और व्यापार ने केवल दलालों को भारी ब्रोकिंग शुल्क देकर समृद्ध किया है। व्यक्तिगत स्टॉक चुनने के लिए एक विशेष कौशल सेट की आवश्यकता होती है जो अधिकांश खुदरा निवेशकों के पास नहीं होती है और अध्ययनों से पता चला है कि लेनदेन और सलाहकार लागतों को ध्यान में रखने के बाद पेशेवर फंड मैनेजर भी बेंचमार्क सूचकांकों को लगातार मात देने के लिए संघर्ष करते हैं।

इस तथ्य के बावजूद कि कई निवेशकों को खरीदो और पकड़ो दृष्टिकोण से सफलता मिली है, इसकी अपनी कमियां हैं। क्यों खरीदें और भूल जाएं हर किसी के लिए सर्वोत्तम रणनीति नहीं है?

गहन ज्ञान एवं अनुभव की आवश्यकता

खरीदें और रखें दृष्टिकोण मानता है कि निवेशक बुद्धिमानी से चयन करेंगे। उन्हें बाजार के रुझान, उद्योग की स्थितियों, स्टॉक की कीमतों और चुने हुए स्टॉक की निर्भरता के बारे में गहन ज्ञान की आवश्यकता होती है। यदि आपके पास आवश्यक अनुभव या ज्ञान नहीं है, तो इस पद्धति में आपको बहुत सारा पैसा खर्च करना पड़ सकता है।

बाजार में बदलावों को अपनाने में असमर्थता

बाजार में चल रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद STOCK PORTFOLIO (स्टॉक पोर्टफोलियो) बनाए रखना निराशाजनक परिणाम दे सकता है। बाजार की अस्थिरता को ध्यान में रखे बिना निवेश बनाए रखने से गंभीर नुकसान हो सकता है, इसलिए निवेशकों को ऐसे समय में अपने पोर्टफोलियो को पुनः व्यवस्थित करने के लिए तेजी से प्रतिक्रिया करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कुशल बाजार परिकल्पना के प्रति प्रतिबद्धता

यह मानने के लिए खरीद-और-पकड़ (खरीदना और भूल जाना) दृष्टिकोण की भी आलोचना की जाती है कि लंबी अवधि में शेयर बाजार के मूल्य में वृद्धि होगी। हालांकि लंबे समय तक यह सच हो सकता है, बाजार में कभी-कभी तेज गिरावट का सामना करना पड़ता है।

क्षतिग्रस्त पोर्टफोलियो का जोखिम

उद्योग और बाजार कभी भी लगातार काम नहीं करते। कुछ Equity असाधारण रूप से तेजी से बढ़ती हैं, जबकि अन्य धीरे-धीरे आगे बढ़ सकती हैं। खरीदना और भूल जाना (बाय-एंड-होल्ड) रणनीति का उपयोग करके, एक निवेशक को वास्तविक बाजार प्रदर्शन या विविधीकरण की परवाह किए बिना, अच्छा प्रदर्शन करने वाले शेयरों को जोड़ने के लिए लुभाया जा सकता है। यदि Equity खराब प्रदर्शन करने लगती हैं, जैसा कि अंततः होगा, तो निवेशकों को पैसा खोने की संभावना बढ़ जाती है।

प्रत्याशित लाभ को साकार होने में वर्षों लग सकते हैं

खरीदो और पकड़ो (खरीदना और भूल जाना) दृष्टिकोण से लाभ निवेश के माध्यम से लंबी अवधि में उत्पन्न होना चाहिए। किसी भी निवेश की तरह, खरीदें और होल्ड करें केवल बाजार में समय के साथ महत्वपूर्ण लाभ कमा सकते हैं। हालाँकि प्रत्याशित लाभ को साकार होने में वर्षों लग सकते हैं, और एक खतरा है कि निवेशक को पोर्टफोलियो की पूरी क्षमता तक पहुँचने से पहले अपने पैसे वापस करने की आवश्यकता होगी।

पीएचडी शोध उपाधि के लिए 400 सीटों पर प्रवेश के लिए होगी ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में पीएचडी प्रवेश परीक्षा के सम्बंध में कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पांडेय की अध्यक्षता में 12 फरवरी को दोपहर में बैठक का आयोजन कार्यपरिषद कक्ष में किया गया। इस बैठक में पीएचडी प्रवेश परीक्षा मार्च के अंतिम सप्ताह में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित करवाने पर चर्चा की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पांडेय ने पीएचडी उपाधि के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की तैयारी सुचारु रूप से करवाने के निर्देश दिए। बैठक में एमपी ऑनलाइन के प्रभारी अधिकारी श्री अभय करण ने पीपीटी के माध्यम से

ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करवाने सम्बन्धी प्रक्रिया और आवश्यक तैयारियों पर प्रकाश डाला। इस वर्ष से यह परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न होगी। यह परीक्षा विश्वविद्यालय में विभिन्न शोध केंद्रों पर संचालित लगभग तीस विषयों में पीएचडी शोध कार्य के लिए रिक्त लगभग चार सौ सीटों के लिए मार्च के अंतिम सप्ताह में आयोजित की जाएगी।

कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा ने कहा कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा की तिथि एवं विषयवार सीट संख्या निर्धारित करते हुए प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अधिसूचना जल्द ही जारी की जाएगी। बैठक में कुलानुशासक प्रो. शैलेंद्रकुमार शर्मा, डीएसडब्ल्यू प्रो. सत्येंद्र किशोर मिश्रा, प्रो. उमेशकुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. मदनलाल जैन, प्रो. अलका व्यास, प्रो. धर्मेंद्र मेहता आदि सहित एमपी ऑनलाइन भोपाल के अधिकारीगण उपस्थित थे।

उज्जैन में होगा ब्राह्मण रत्न सम्मान समारोह

उज्जैन। संयुक्त ब्राह्मण सामाजिक कल्याण समिति एवं मध्य प्रदेश ब्राह्मण महासभा के नेतृत्व में उज्जैन में अति शीघ्र होने वाले ब्राह्मण रत्न सम्मान समारोह को लेकर उपमुख्यमंत्री एवं पूर्व गृह मंत्री से भोपाल में निवास पर भेंट की। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. मनोज (अजय) रावत ने बताया कि ब्राह्मण रत्न सम्मान समारोह के आयोजन को लेकर राजेंद्र शुक्ला उपमुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण चिकित्सा शिक्षा मंत्री से चर्चा की। साथ ही प्रतिभा बागरी नगरी विकास एवं आवास राज्य मंत्री, राधा सिंह पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री से भी भेंट की गई। इस अवसर पर पं मनोज (अजय) रावत

राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही पं संजय शर्मा, पं. राधेश्याम शर्मा देवास, जितेंद्रजी, श्यामली शर्मा, निहारिका शर्मा, सविता चौहान आदि मौजूद रहे।

मुसलमानों के दोनों हाथ में लड्डू था बंटवारे के बाद.....

बँटवारे के बाद लगभग पंद्रह साल तक मुसलमान भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से भारत आते जाते रहे। बहुत से लोग तो बरसों तक तय नहीं कर पा रहे थे कि यहाँ रहें या वहाँ रहें। हमारे एक सहपाठी थे उनकी महत्वाकांक्षा थी कि वह एयर फोर्स में पायलट बनेंगे, अगर भारत में चयन नहीं हुआ तो पाकिस्तान चले जायेंग, उनके परिवार के बहुत से लोग पाकिस्तान में बस गये थे। मुसलमानों के दोनों हाथ में लड्डू थे।

हमारे बरेली के हाशम सुर्मे वाले बताते हैं कि उनके दो ताया कराची चले गये और वहाँ बरेली का मशहूर सुर्मा बेच रहे हैं बचे दो भाई बरेली का कारोबार संभाले हुए हैं। यूनानी दवायें बनानी वाली हमदर्द भी आधी हिंदुस्तान में रह गई आधी पाकिस्तान चली गई और वहाँ भी रूह अफ्जआ पिला रही है।

साहिर लुधियानवी का पाकिस्तान में वारंट कटा तो रातों रात भारत भाग आये, कुर्रतुल ऐन हैदर भारत से पाकिस्तान गईं थीं जहाँ उन्होंने उर्दू का अमर उपन्यास 'आग का दरिया' लिखा जो लाहौर से छपा। यह उपन्यास प्राचीन भारत से बँटवारे तक के इतिहास के समेटते हुये भारत की संस्कृति को महिमा मंडित करता था। जो पाकिस्तानी मुल्लाओं को बर्दाश्त नहीं हुआ और कुर्रतुल ऐन हैदर को इतनी धमकियाँ मिलीं कि वह सन 59 में भारत वापस आ गईं और संयोग से उसी बरस जोश मलीहाबादी पाकिस्तान के लिये हिजरत कर गये। जोश की आत्मकथा यादों की बारात में वह अपने इस निर्णय के लिये पछताते दिख रहे हैं। बड़े गुलाम अली खाँ भी इसी तरह भारत वापस आ गये।

यह सुविधा मुसलमानों को ही थी कि जब जहाँ चाहे जा के बस जायें। हिंदू एक भी भारत से पाकिस्तान नहीं गया बसने। पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री प्रसिद्ध दलित नेता जे एन मंडल बड़ी बेगैरती के साथ पाकिस्तान छोड़ने पर मजबूर हुए और भारत में कहीं गुमशुदगी में मर गये।

पाकिस्तान एक मुल्क नहीं मौलवियों की एक मनोदशा है कि इस्लाम हुकूमत करने के लिये पैदा हुआ है तो वह जहाँ भी रहेगा या तो हुकूमत करेगा या हुकूमत के लिये जद्दोजहद करेगा।

मुसलमान कोई नस्ल या जाति नहीं है अपितु दुनिया के किसी कोने का इंसान मुसलमान बन सकता है और धर्म परिवर्तन करते ही उसकी मानसिकता सोच और व्यक्तित्व बदल जाता है और वह स्वयं को उन मुस्लिम विजेताओं के साथ जुड़ा हुआ महसूस करने लगता है जिन्होंने उसके हिंदू पूर्वजों पर विजय पाई थी और मुसलमान बनने पर मजबूर किया था। सच्चाई यही है कि उपमहाद्वीप के लगभग 99% मुसलमान कन्वर्टेड हिंदू हैं। यहाँ तक कि पठान भी।

आज आजम खान इस बात को लेकर रंजीदा हैं कि उनके पूर्वज पाकिस्तान नहीं गये इस बात की उन्हें सजा दी जा रही है। आज़म खाँ के वोटरों में हिंदू भी शामिल रहे होंगे वरना सिर्फ मुस्लिम वोटों से न वह विधायक बन सकते थे न सांसद। बिना एक पैसा स्टांप शुल्क चुकाये उन्होंने करोड़ों रुपये की जमीन जुटा कर उस मुहम्मद अली जौहर के नाम से यूनीवर्सिटी बना ली जिसने इस नापाक मुल्क में न दफनाये जाने की वसीयत की थी और आज एक दूसरे मुल्क इज़राइल में दफन है। इस यूनीवर्सिटी के वह आजीवन कुलपति रहेंगे और यह मुल्क उनकी क्या खिदमत कर सकता है।

मुसलमानों में एक कट्टरपंथी मौलानाओं की अलग अन्तर्धारा चलती रहती है जिसके आगे आम मुसलमान बेबस हो जाता है। समय समय पर यह आम मुसलमान भी विक्टिम कार्ड खेलता रहता है। कभी अजहरउद्दईन भी कहते सुने गये थे कि उन्हें मुसलमान होने के कारण प्रताड़ित किया जा रहा है। मिर्जा मुहम्मद रफी सौदा का एक शेर है जो उन्होंने कभी नवाब अवध के दरबार में अर्ज किया था, बहुत से मुसलमानों की भावनाओं की अभिव्यक्ति इन दो लाइनों में बयां है। आजम खाँ भी उन्हीं में से एक हैं-

हो जाये अगर शाहे खुरासाँ का इशारा,
सजदा न करूँ हिंद की
नापाक जमीं पर।

और हम इनसे वंदे मातरम की उम्मीद करते हैं।

श्रीकृष्ण ने कहा है कि, धर्म-अधर्म के बीच में यदि आप NEUTRAL रहते हैं, अथवा NO POLITICS का ज्ञान देते हैं, तो आप अधर्म का साथ देते हैं भीम ने गदा युद्ध के नियम तोड़ते हुए दुर्योधन को कमर के नीचे मारा ये देख बलराम बीच में आए और भीम की हत्या करने की ठान ली।

तब श्रीकृष्ण ने अपने भाई बलराम से कहा।

आपको कोई अधिकार नहीं है इस युद्ध में बोलने का क्योंकि आप न्यूट्रल रहना चाहते थे ताकि आपको न कौरवों का, न पांडवों का साथ देना पड़े। इसलिए आप चुपचाप तीर्थ यात्रा का बहाना करके निकल लिए।

(1) भीम को दुर्योधन ने विष दिया तब आप न्यूट्रल रहे।

(2) पांडवो को लाक्षागृह में जलाने का प्रयास किया गया, तब आप न्यूट्रल रहे।

(3) द्यूत क्रीड़ा में छल किया गया तब आप न्यूट्रल रहे।

(4) द्रौपदी का वस्त्रहरण किया आप न्यूट्रल रहे।

(5) अभिमन्यु की सारे युद्ध नियम तोड़ कर हत्या की गयी, तब भी आप न्यूट्रल रहे।

आपने न्यूट्रल रह कर, मौन रह कर, दुर्योधन के हर अधर्म का साथ ही दिया! अब आपको कोई अधिकार नहीं है कि आप कुछ बोलें।

क्योंकि धर्म-अधर्म के युद्ध में अगर आप न्यूट्रल रहते हैं तो आप भी अधर्म का साथ दे रहे हैं...आज हमारा ये देश 712 ई. से धर्म युद्ध लड़ रहा है और हर नागरिक इसमें एक सैनिक है। यदि मैं न्यूट्रल रह कर अधर्म का साथ देता हूँ तो मुझे भी अधिकार नहीं है शिकायत करने का कि देश में ऐसा वैसा बुरा क्यों हो रहा है, अगर मैं उस बुरे का विरोध नहीं करता।

भाजपा धर्म के साथ है या नहीं ये मैं नहीं जानता पर दूसरी पार्टियाँ और संगठन जैसे कांग्रेस, कम्युनिस्ट, समाजवादी पार्टी अधर्म के साथ हैं, ये मैं पक्का जानता हूँ।

ये हर नागरिक का कर्त्तव्य है कि वो राष्ट्रहित में जो है उसका साथ दे।

जयहिंद, वन्देमातरम्

❍ साभार, संकलन-
राधेश्याम शर्मा

हर बूथ पर 10 प्रतिशत वोट बढ़ाने के साथ हर बूथ को मोदी बूथ बनाकर कांग्रेस मुक्त बनाना है-विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल। विधानसभा चुनाव में हमारे उत्साह से भरे कार्यकर्ता हर बूथ पर जीत का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरे और सभी ने चुनाव जीतने के लिए टीम भावना के साथ कड़ी मेहनत की। केंद्र व राज्य सरकारों की जनहितैषी योजनाओं से लोगों के जीवन में बदलाव आए हैं।

दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी मेहनत, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का मार्गदर्शन तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कुशल रणनीति का ही परिणाम है कि विधानसभा चुनाव में हमें ऐतिहासिक जीत मिली है। पार्टी नेतृत्व ने 51 प्रतिशत वोट शेयर का लक्ष्य दिया था और हम हर बूथ पर 49 प्रतिशत वोट हासिल करने में सफल रहे। इस जीत के लिए मैं सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता हूं, हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार को शहडोल में जिला बैठक एवं लोकसभा बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने लोकसभा चुनाव कार्यालय का उदघाटन भी किया।

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आप लोगों की मेहनत से शहडोल और पूरे मध्यप्रदेश में पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, लेकिन चुनाव के पहले तरह-तरह की बातें हो रही थीं।

मीडिया, ब्यूरोक्रेटस और अलग-अलग राजनीतिक दल तरह-तरह के दावे कर रहे थे। उस समय मुझसे भी अगर कोई पत्रकार पूछता था, तो मैं यही कहता था कि हम सर्वाधिक सीटें जीतेंगे। वीडी शर्मा ने कहा कि राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी लगातार मध्यप्रदेश के दौरे किए और हर संभाग में बैठकें लीं। ग्वालियर में आयोजित बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं का जो उत्साह और आत्मविश्वास देखा, उसके आधार पर उन्होंने चुनाव से 15 दिन पहले ही यह कह दिया था कि इस चुनाव में हम संगठन तंत्र की ताकत के बल पर प्रचंड बहुमत हासिल करने जा रहे हैं। नेताओं का कान्फिडेंस कार्यकर्ताओं के विश्वास के आधार पर ही बनता है।

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि बीते ढाई-तीन सालों में बूथ स्तर पर अनेक कार्यक्रम हुए।

बूथ विस्तारक अभियान, बूथ डिजिटाइजेशन, बूथ विजय संकल्प अभियान जैसे इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ से जुड़ा और उसके सिर पर बूथ जीतने का भूत सवार हो गया।

कार्यकर्ताओं सहित सभी पार्टीजनों के मन में एक ही संकल्प था कि हमें बूथ पर चुनाव लड़ना है और जीतना है। कार्यकर्ताओं की इस मेहनत से ही प्रत्येक बूथ पर हमारा 10 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ा और हम

49 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहे, जो सामान्य बात नहीं है। प्रदेश के चुनावी इतिहास में किसी पार्टी को इतने वोट नहीं मिले। शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव में 163 सीटें हासिल की हैं।

इनके अलावा 10 सीटें ऐसी हैं, जिन पर 1 हजार से कम वोटों से हार-जीत हुई है।

101 विधानसभाओं में हमने 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए और 35 विधानसभाओं में 45-50 प्रतिशत हमारा वोट शेयर रहा। वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनाव से पूर्व भोपाल में मेरा बूथ सबसे मजबूत का नारा दिया था और देश भर के बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद किया था।

उन्होंने कहा था कि अगर बूथ मजबूत है, तो हम मजबूत हैं।

इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता कमल के फूल को अपना प्रत्याशी मानकर चुनाव में जुट जाए। इसी भावना से अब हमें लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटना है। हमें हर बूथ पर 10 प्रतिशत वोट बढ़ाना है, हर बूथ को मोदी बूथ बनाकर कांग्रेस मुक्त बूथ बनाना है।

क्यों चीनी चिप-संबंधित कंपनियां रिकॉर्ड गति से बंद हो रही हैं?

2023 में 10,900, या लगभग 30 प्रतिदिन, पूरे वर्ष में बंद हो गए

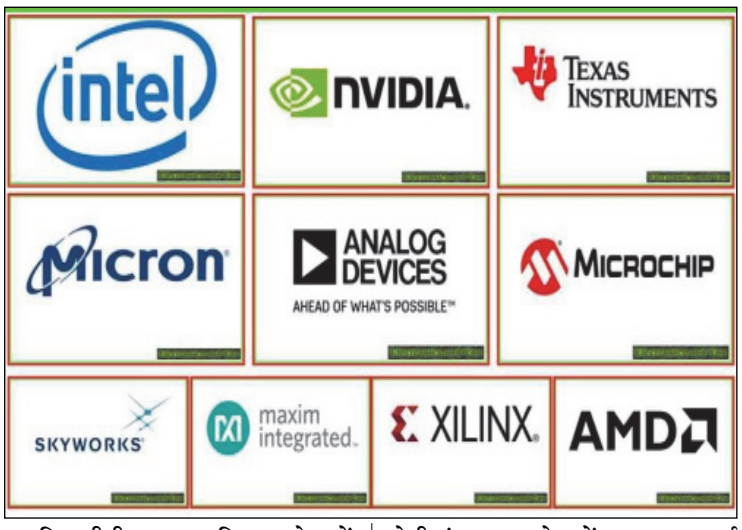

जब से अमेरिका ने 2019-2020 में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के खिलाफ प्रतिबंध लगाना शुरू किया है तब से चीन में चिप कंपनियों की संख्या में गिरावट आ रही है। चिप्स की मांग धीमी होने के कारण 2022-2023 में स्थिति और खराब हो गई। 2019 के बाद से 22,000 से अधिक चिप-संबंधित कंपनियां गायब हो गई हैं, लेकिन डिजीटाइम्स (TMTPost का हवाला देते हुए) के अनुसार 2023 में रिकॉर्ड-सेटिंग विलुप्ति देखी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में अब तक रिकॉर्ड 10,900 चिप-संबंधी कंपनियों ने अपना पंजीकरण खो दिया है-जो 2022 में बंद होने वाली 5,746 कंपनियों की तुलना में एक बड़ी छलांग है। इसका मतलब है कि 2023 में हर दिन औसतन 30 चीनी चिप-संबंधित कंपनियों ने अपने दरवाजे बंद कर दिए। यह पांच साल की प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें 2021-2022 में 10,000 से अधिक चीनी चिप-संबंधित कंपनियां बंद हुईं। चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर विनिर्माण और वेफर फैब उपकरण क्षेत्रों में बढ़ते संघर्ष।

2023 में चीन में 3,243 चिप डिजाइन कंपनियों में से आधे से अधिक प्रति वर्ष 10 मिलियन CNY (लगभग 1.4 मिलियन SD) से कम कमा रहे थे।

ये कंपनियां सिर्फ बिक्री से ही जूझ नहीं रही हैं। बाजार में अत्यधिक आपूर्ति और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के कारण सेमीकंडक्टर उद्योग में सामान्य मंदी के कारण अधिकांश बिना बिके स्टॉक से पैसा खो रहे हैं। समस्या का एक बड़ा हिस्सा योजना बनाने में गलती से आता है-2021 और 2022 में, कई कंपनियों ने कई टन चिप्स का उत्पादन किया, जो कि कोविड-प्रेरित काम-घर की प्रवृत्ति से उच्च बिक्री की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन जैसे-जैसे महामारी कम हुई, मांग में गिरावट आई और 2022 के अंत/2023 की शुरुआत में बाजार में गिरावट आई, जिससे कंपनियों के पास बहुत सारा इन्वेंट्री रह गया जिसे वे बेच नहीं सकीं। और, निःसंदेह, समय बीतने के साथ इन उत्पादों का मूल्य कम होता जा रहा है।

अमेरिका ने चीनी सेमीकंडक्टर उद्योग (साथ ही एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों) में निवेश को प्रतिबंधित कर दिया है, और यूरोपीय निवेशक अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ चीनी चिप कंपनियों में निवेश करने के इच्छुक नहीं हैं।

वाईएमटीसी जैसी बड़ी कंपनियों ने व्यवसाय में बने रहने के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं को खोजने और तीसरे पक्ष के उपकरण खरीदने में अरबों खर्च किए हैं, जबकि Huawei हुआवेई ने एक गुप्त फैब नेटवर्क बनाया है छोटी कंपनियों के पास टिके रहने के लिए संसाधन नहीं हैं। और जबकि चीनी सरकार चिप उद्योग में निवेश कर रही है-चाइना इंटीग्रेटेड सर्किट इंडस्ट्री इन्वेस्टमेंट फंड ने एक सप्ताह पहले एचएलएमसी में 1 बिलियन की गिरावट की है-यह वहां हर चिप स्टार्टअप में पैसा नहीं डाल सकती है।

यह चीन के चिप उद्योग के लिए एक कठिन वर्ष रहा है-विशेषकर छोटे खिलाड़ियों के लिए। बंद होने वाली कंपनियों की रिकॉर्ड संख्या दर्शाती है कि वे किस कठिन समय का सामना कर रही हैं कम मांग, ओवरस्टॉक, और धन प्राप्त करने में कठिनाई। इसने कई लोगों को खेल से बाहर कर दिया है और चीन के सेमीकंडक्टर उद्योग को छोटे स्टार्टअप के बजाय ज्यादातर बड़ी कंपनियों में स्थानांतरित कर दिया है।

भारत में शीर्ष 10 सेमीकंडक्टर कंपनियां और वे विकास के लिए तैयार क्यों हैं

भारत तेजी से वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। सेमीकंडक्टर समाधानों की बढ़ती मांग और पर्याप्त सरकारी निवेश के साथ, यह क्षेत्र उल्लेखनीय विकास पथ देख रहा है।

यह ब्लॉग पोस्ट भारत में अग्रणी 10 सेमीकंडक्टर कंपनियों को प्रदर्शित करता है और बताता है कि वे निकट भविष्य में महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए मजबूत स्थिति क्यों रखते हैं।

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग बढ़ती मांग और महत्वपूर्ण सरकारी निवेश के कारण परिवर्तनकारी विकास चरण के शिखर पर है। इस पोस्ट में हाइलाइट की गई शीर्ष 10 सेमीकंडक्टर कंपनियां इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। वे आने वाले वर्षों में भारतीय सेमीकंडक्टर परिदृश्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपनी विशेषज्ञता, नवाचार और रणनीतिक निवेश का लाभ उठाएंगे।

(महात्मा गांधी की पुण्यतिथि 30 जनवरी पर विशेष)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक

दो अक्टूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी जीवनभर देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया सुपरिचित है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक महात्मा गांधी की मंगलवार को 76वीं पुण्यतिथि है। उनकी 30 जनवरी, 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने कई किताबें लिखीं, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं। सही मायनों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक हैं। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था-सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा-जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा चरखा-जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया।

गांधी जी प्रायः कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है, जिसे आप दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था।

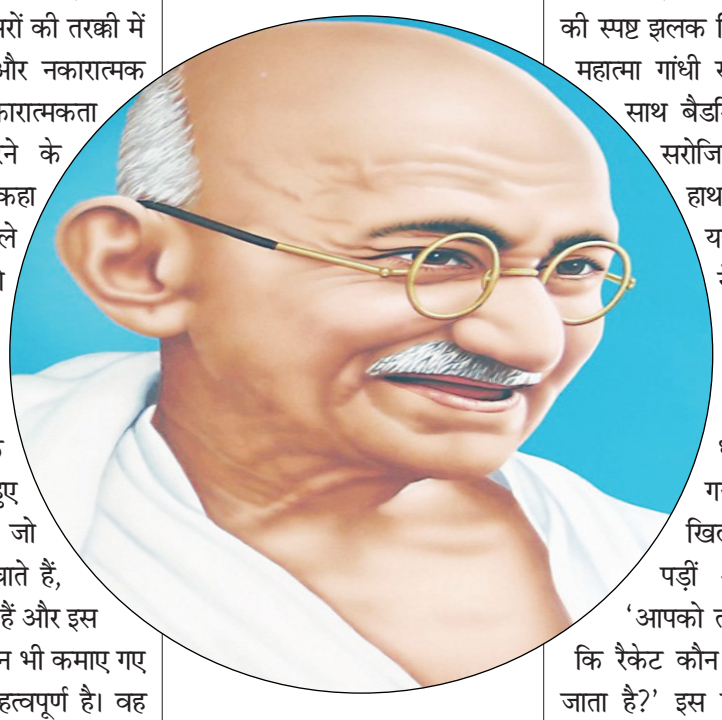

महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ीं और कहने लगीं, 'आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौन से हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, 'आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?'

जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आंदोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आंदोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा।

जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से इनकार कर दिया।

हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आंदोलन तो जरूर चलाया लेकिन उनका वह आंदोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आंदोलन ही था।

लोकसभा चुनाव में 400 सीटों का टारगेट

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की अगले महीने बड़ी बैठक होने वाली है। बताया जा रहा है कि इस दौरान आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर फाइनल ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा। पार्टी आलाकमान का मानना है कि देश के मतदाता भगवा दल के साथ हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैट्रिक लगाने में सफल रहेंगे। बीजेपी कार्यकर्ता पीएम मोदी को विकास और हिंदुत्व का चैंपियन बताते हैं। इसे लेकर खासतौर से अयोध्या में राम मंदिर बनने और अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत की मजबूत स्थिति का हवाला दिया जाता है। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया में पड़ी फूट से भी सत्ताधारी दल को बढ़त मिलती दिख रही है।

इसके बावजूद, भाजपा आलाकमान 2024 के लोकसभा चुनाव को हल्के में नहीं लेने वाला है। उन्हें 2004 के इलेक्शन में मिली हार जरूर याद होगी। उस वक्त यह अनुमान लगाया जा रहा था कि बीजेपी एक बार फिर से केंद्र की सत्ता में वापसी करेगी, मगर ऐसा नहीं हुआ। इसे ध्यान में रखकर ही पार्टी के टॉप लीडर्स की ओर से हर एक राज्य को लेकर अलग से चुनावी रणनीति तैयार की जा रही है। खासतौर से उन राज्यों पर अधिक फोकस किया जा रहा है जहां पार्टी की स्थिति कमजोर है। इस बात का पूरा प्रयास किया जा रहा है कि कैसे 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की स्थिति हर एक राज्य में मजबूत नजर आए।

बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल पर भाजपा आलाकमान की ओर से अधिक जोर दिया जा रहा है। यह समझा रहा है कि अगर बीजेपी के नेतृत्व वाले NDA गठबंधन को लोकसभा चुनाव में 400 सीटों के पार पहुंचना है तो इन राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत करनी होगी। पार्टी नेताओं का मानना है कि बिहार में नीतीश कुमार की जदयू से गठबंधन करके सत्ता में आने से आम चुनाव में इसका लाभ मिलेगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीती थी। हालांकि, असेंबली इलेक्शन में कांग्रेस की जीत से उसे झटका जरूर लगा है। इस हार के साथ ही भगवा दल में टूट भी देखने को मिली। पार्टी हाई कमान की ओर से अब प्रयास है कि साथ छोड़कर जाने वालों को वापस लाया जाए। इसी कड़ी में पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार की वापसी हुई है।

महाराष्ट्र और कर्नाटक को लेकर रणनीतियां

भाजपा ने महाराष्ट्र में शिवसेना के एकनाथ शिंदे को साथ लाकर राज्य में सरकार बनाई है। साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजीत पवार को तोड़कर भी बढ़त हासिल की है।

इसके बावजूद भूख अभी बाकी नजर आती है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र कांग्रेस में और टूट देखने को मिल सकती है।

कुछ दिनों पहले ही मिलिंद देवड़ा कांग्रेस को छोड़कर भगवा दल में शामिल हुए हैं। राज्य भाजपा इकाई के एक नेता ने कहा, आने वाले दिनों में कई प्रमुख चेहरे पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

इसे लेकर अभी ग्राउंड तैयार किया जा रहा है। साथ ही नीतीश कुमार के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भी INDIA गठबंधन से खटपट ने बीजेपी के लिए चीजें आसान कर दी हैं।

रामलला हर दिन तोड़ रहे रिकॉर्ड, 11 दिनों में दर्शन को पहुंचे 25 लाख श्रद्धालु

अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के विराजमान हुए 11 दिन हो गए हैं। इन 11 दिनों में 25 लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा औसतन हर दिन एक करोड़ रुपये रामलला को चढ़ावा चढ़ाया जा रहा है। इन 11 दिनों में रामलला को जो चढ़ावा और दान में मिला उसकी कीमत 11 करोड़ रुपये है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुताबिक पिछले 10 दिनों में दान पेटियों में करीब 8 करोड़ रुपये जमा हुए हैं और करीब 3.50 करोड़ रुपये ऑनलाइन प्राप्त हुए हैं।

दान की गिनती के लिए ट्रस्ट ने नियुक्त किए कर्मचारी

ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता के मुताबिक, गर्भगृह के सामने दर्शन पथ के पास चार बड़े आकार की दान पेटियां रखी गई हैं, जिनमें श्रद्धालु दान कर रहे हैं। इसके अलावा 10 कम्प्यूटरीकृत काउंटरों पर भी लोग दान करते हैं। इन दान काउंटरों पर मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों को नियुक्त गया है, जो शाम को काउंटर बंद होने के बाद प्राप्त दान राशि का हिसाब ट्रस्ट कार्यालय में जमा करते हैं। 14 कर्मचारियों की एक टीम चार दान पेटियों में आए चढ़ावे की गिनती कर रही है, जिसमें 11 बैंक कर्मचारी और तीन मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी शामिल हैं। गुप्ता ने कहा कि दान राशि जमा करने से लेकर उसकी गिनती तक सब कुछ सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में किया जाता है।

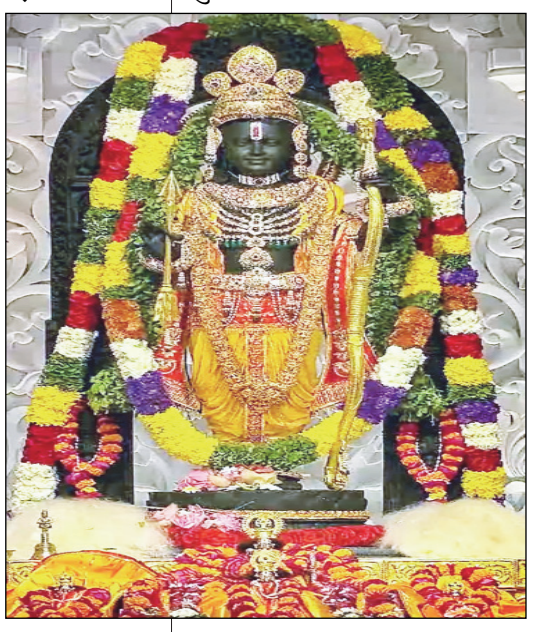

लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या

उत्तर प्रदेश में अभी ठंड का दौर जारी है। हालांकि, श्रद्धालुओं की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले बुधवार तक उत्तर प्रदेश के बड़े इलाके घने कोहरे से ढके रहेंगे।

मंदिर प्रशासन के नए समय के मुताबिक, रामलला की मूर्ति की श्रृंगार आरती सुबह 4.30 बजे शुरू होगी। सुबह 6.30 बजे मंगल प्रार्थना की गई। इसके बाद सुबह 7 बजे से मंदिर भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिया जाता है। हाड़ कंपा देने वाली ठंड और कोहरे की परवाह किए बिना तीर्थ यात्री सुबह से ही रामलला के दर्शन के लिए कतार में लगे दिखाई देते हैं।

बीटिंग द रिट्रीट में बजा राम भजन, कांग्रेस ने जताई आपत्ति

भोपाल। अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक का जश्न मनाने के दौरान राम भजन मेरे घर राम आए हैं बजाया गया था। 75वें गणतंत्र दिवस पर सोमवार को बीटिंग द रिट्रीट में पुलिस बैंड ने मेरे घर राम आये हैं भजन बजाया गया।

किसी बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम में राम भजन बजाया गया हो ऐसा पहली बार हुआ है। इस मामले पर कांग्रेस नेता ने आपत्ति जताई है। आपत्ति जताते हुए कांग्रेस नेता ने क्या कहा है, आइये जानते हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह का समापन सोमवार को भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में बीटिंग द रिट्रीट के साथ हुआ। बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम में पुलिस बैंड ने मेरे घर राम आए हैं की धुन बजाई गई। ऐसा पहली बार हुआ जब बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी में भजन बजाया गया हो।

75वें गणतंत्र दिवस पर एमपी में कई बॉलीवुड देशभक्ति गाने भी बजाए जा रहे थे। बीटिंग द रीट्रीट कार्यक्रम में राज्यपाल मंगूभाई पटेल मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम में पुलिस ब्रास बैंड और आर्मी पाइप बैंड कई प्रकार के संगीत प्रस्तुत करते हैं।

बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम में राम भजन बजाए जाने को लेकर आपत्ति जताई है। आपत्ति जताते हुए एक कांग्रेस नेता ने कहा कि धर्म को राजनीति के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए और यह मिश्रण लोकतंत्र के लिए खतरनाक होगा।

उन्होंने कहा कि धर्म आस्था का विषय है लेकिन सेना और पुलिस सहित संवैधानिक संगठनों को एक धर्म को बढ़ावा नहीं देना चाहिए।

यदि पुलिस और सेना ऐसा करते हैं तो यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं होगा। बता दें कि बीती 26 जनवरी को पूरा देश गणतंत्र दिवस मना रहा था। इस गणतंत्र दिवस पर भारत में संविधानल लागू हुए कुल 75 वर्ष बीत गए।

इससे पहले 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भी पूरे देश में काफी उत्साह देखने को मिला था।

महाकाल मंदिर के नाम से पेज बना अश्लील तस्वीर डाल दी

उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन में स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर के नाम से एक फर्जी फेसबुक पेज बनाकर उस पर अश्लील पोस्ट डालने का मामला सामने आया है। मंदिर समिति की शिकायत पर महाकाल थाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2008 के तहत धारा 188 और 67 में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की शुरू कर दी है। विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर नाम से आधिकारिक फेसबुक पहले से ही बनी हुई है। इस आधिकारिक फेसबुक पेज से लाखों श्रद्धालु पहले से ही जुड़े हुए है।

सोमवार को मंदिर समिति की आईटी टीम को पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मंदिर से मिलती-जुलती फेसबुक पेज ज्योतिर्लिंग ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर के नाम से बनाई है। जिस पर निर्वस्त्र युवती के फोटो डाल दिए गए हैं। इस घिनौनी हरकत की सूचना मिलते ही समिति को लगते ही हड़कंप मच गया। मंदिर समिति के प्रशासक संदीप सोनी ने तुरंत कार्रवाई की और पुलिस को शिकायत के लिए आईटी डिपार्टमेंट से कर्मचारी को भेज इसकी एफआईआर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ दर्ज कराई गई।

महाकाल मंदिर के आईटी शाखा में पदस्थ कर्मचारी सौरभ ने महाकाल थाने पर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर के नाम से फर्जी फेसबुक पेज पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने आपत्तिजनक पोस्ट डाली है। जिसके स्क्रीन शॉट शिकायत के साथ दिए जा रहे हैं। इस पेज पर एक निर्वस्त्र युवती की फोटो है। उक्त पोस्ट के जरिए मंदिर की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। ऐसे लोगों पर पुलिस कड़ी कार्रवाई करे।

महाकाल थाना प्रभारी अजय वर्मा ने बताया की मंदिर समिति की साइबर कर्मचारी द्वारा दी गई शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की साइबर टीम को तलाश के लिए लगाया गया है। आईटी एक्ट और धारा 188 में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जायेगा।

महाकाल मंदिर के प्रशासक संदीप सोनी का कहना है कि सोमवार दोपहर में सूचना मिली थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फर्जी फेसबुक बनाकर अश्लील फोटो डाले गए हैं। आईटी विभाग से शिकायत दर्ज करवाई गई है। इस तरह की फर्जी

फेसबुक पेज बनाकर मंदिर की छवि को धूमिल करने का कोई भी प्रयास करेगा तो मंदिर समिति उस पर कार्रवाई करेगी।

सोशल मीडिया पर श्री महाकालेश्वर मंदिर के आधिकारिक पेज के हैक होने की जो भी खबर चल रही है, वह पूरी तरह गलत है। सोशल मीडिया पर श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के द्वारा फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और पर जो भी अकाउंट संचालित किए जाते हैं, वह पासवर्ड प्रोटेक्टेड हैं और इन अकाउंट को किसी ने हैक नहीं किया है।

महापौर की अध्यक्षता में हुई एमआईसी बैठक

उज्जैन। महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक सोमवार को महापौर कार्यालय पर हुई जिसमें एजेंडे के विभिन्न प्रस्तावों एवं अतिरिक्त प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। बैठक में एजेंडे के प्रस्ताव गेल (इंडिया) द्वारा पीपीपी मोड पर गोंदिया प्रसंस्करण ईकाई पर 150 टन गीले कचरे सं सीबीजी प्लांट (कंप्रेस्ड बायोगैस ईकाई) स्थापित करने के संबंध में स्वीकृति प्रदान करते हुए निगम परिषद में विचारार्थ भेजा गया।

एम.आर.-5 एवं गोंदिया ट्रेंचिंग ग्राण्उड पर पुराने लिगेसी वेस्ट के बायो रेमेडीएशन हेतु तैयार की गई डीपीआर, प्रधानमंत्री आवास योजना ए.एच.पी. घटक के तहत मंछामन क्षेत्र की निर्माणाधीन ई.डब्ल्यू.एस. आवासीय इकाईयों के शासन निर्देशानुसार आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों संबंधी 12 हितग्राहियों के अनुमोदन की स्वीकृति प्रदान की गई।

इसी प्रकार एजेंडे के अतिरिक्त विषयों स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत उज्जैन शहर के 60 सामुदायिक शौचालयों को आउटसोर्स किये जाने की कार्य अवधि में वृद्धित किये जाने, उज्जैन शहर के सदावल ग्राम स्थित सीवेज ट्रिटमेंट प्लांट के फेकेलेटेटिव एवं मेच्युरेशन पाण्ड्स में होने वाली गरूडिया मछली उत्पादन को मछवारा समिति को देने के कार्य हेतु कार्योत्तर स्वीकृति एवं एक वर्ष हेतु अतिरिक्त स्वीकृति, उच्च कुशल का वेतन दिये जाने, विक्रमोत्सव 2024 अंतर्गत उज्जैनीय विक्रम व्यापार मेला आयोजित किये जाने के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाओं/अल्पकालीन निविदा आमंत्रण आदि पर चर्चा करते हुए स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, एमआईसी सदस्य श्री शिवेन्द्र तिवारी, श्री रजत मेहता, श्री प्रकाश शर्मा, श्री सत्यनारायण चौहान, श्री कैलाश प्रजापत, श्री जितेन्द्र कुवाल, श्री अनिल गुप्ता, डॉ. योगेश्वरी राठौर, श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी, श्रीमती सुगन बाबुलाल वाघेला, अपर आयुक्त श्री आर.एस. मण्डलोई, श्री दिनेश चौरसिया, उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, अधिक्षण यांत्री श्री आर.आर. जारोलिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत झोन 2 एवं 6 में आयोजित हुए शिविर

उज्जैन। शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों को लाभान्वित कराने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत शिविर का आयोजन झोन कार्यालय 02 एवं 06 में किया गया।

शिविर में विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने नागरिकों से संवाद करते हुए शासन की लोककल्याणकारी योजना से अवगत करवाया एवं विकसित भारत संकल्प की शपथ दिलवाई गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा अन्तर्गत आयोजित शिविर में शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, संबंल योजना, आयुष्मान भारत योजना के साथ ही अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं की

जानकारी से नागरिको को अवगत कराया जा रहा है। शिविर में नागरिक पहुंचकर शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित हो रहे है।

इस दौरान झोन अध्यक्ष श्री विजय सिंह कुशवाह, श्री संग्राम सिंह भाटीया, सहायक आयुक्त श्री तेजकरण गुनावदिया, श्री प्रदीप सेन, झोनल अधिकारी श्री राजकुमार राठौर, श्री हर्ष जैन सहित, निगम अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

विक्रम व्यापार मेले में दुकानें, फुड झोन एवं झूला क्षेत्र हेतु निविदा आमंत्रित

उज्जैन। दिनांक 01 मार्च, 2024 से 09 अप्रैल 2024 तक आयोजित होने वाले उज्जैयनी विक्रम व्यापार मेला-2024 अंतर्गत मेला अवधि हेतु पीजीबीटी मैदान में स्थित जी सेक्टर में स्थापित जनरल स्टोर्स की दुकानें, एफ सेक्टर फुड झोन में स्थित भूखण्ड एवं जे सेक्टर झूला क्षेत्र में स्थित भूखण्डों को अस्थायी रूप से आवंटन किये जाने के लिये निर्धारित न्यूनतम आरक्षित मूल्य राशि से अधिक राशि की ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

ई-निविदा के आवेदन पत्र दिनांक 04.02.2024 को रात्रि 08:00 बजे तक ऑनलाईन जमा किये जाकर दिनांक 05.02.2024 को प्रातः 10:00 बजे तक संबंधित के द्वारा वित्तीय बीड प्रस्तुत की जा सकेगी। प्राप्त ई-निविदायें दिनांक 05.02.2024 को प्रातः 10:30 बजे के पश्चात खोली जावेगी।

व्यवसाय हेतु इच्छुक व्यक्ति/संस्था/कम्पनी आदि विस्तृत जानकारी आदि नगर पालिक निगम, उज्जैन की वेबसाईट पर एवं राजस्व विभाग (अन्यकर), नगर पालिक निगम, उज्जैन के कक्ष क्रमांक 135 में एवं निगम मुख्यालय के नोटिस बोर्ड पर कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

ई-निविदा प्रस्तुत करने हेतु पर या फिर एम.पी. ऑनलाईन के अधिकृत कियोस्क सेंटर पर भी ई-निविदा आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

प्राण प्रतिष्ठा पर एक प्रस्ताव पारित किया

'जा पर कृपा राम की होई, ता पर कृपा करै सब कोई'

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अयोध्या धाम में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर एक प्रस्ताव पारित किया। प्रधानमंत्री जी सबसे पहले हम सभी आपके नेतृत्व के मंत्रिमंडल के सदस्य आपको रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा पर हार्दिक बधाई देते हैं।

❍ भारतीय सभ्यता बीते पांच शताब्दियों से जो स्वप्न देख रही थी, आपने वह सदियों पुराना स्वप्न पूरा किया।

❍ प्रधानमंत्री जी, आज की कैबिनेट ऐतिहासिक है।

❍ ऐतिहासिक कार्य तो कई बार हुए होंगे, परन्तु जब से यह कैबिनेट व्यवस्था बनी है और यदि ब्रिटिश टाइम से वायसराय की E&ecutive Council का कालखण्ड भी जोड़ लें, तो ऐसा अवसर कभी नहीं आया होगा।

❍ क्योंकि 22 जनवरी, 2024 को आपके माध्यम से जो कार्य हुआ है, वह इतिहास में अद्वितीय है। वह इसलिए अद्वितीय है, क्योंकि यह अवसर शताब्दियों बाद आया है। हम कह सकते हैं कि 1947 में इस देश का शरीर स्वतंत्र हुआ था और अब इसमें आत्मा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई है। इससे सभी को आत्मिक आनंद की अनुभूति हुई है।

❍ आपने अपने उद्बोधन में कहा था कि भगवान राम भारत के प्रभाव भी हैं, और प्रवाह भी हैं, नीति भी हैं और नियति भी हैं। और आज हम राजनैतिक दृष्टि से नहीं, आध्यात्मिक दृष्टि से कह सकते हैं कि भारत के सनातनी प्रवाह और वैश्विक प्रभाव के आधार स्तंभ मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए नियति ने आपको चुना है।

❍ वास्तव में, प्रभु श्रीराम भारत की नियति हैं और नियति के साथ, वास्तविक मिलन अब हुआ है।

❍ वास्तविकता में देखें तो कैबिनेट के सदस्यों के लिए यह अवसर जीवन में एक बार का अवसर नहीं, बल्कि अनेकों जन्मों में एक बार का अवसर कहा जा सकता है।

❍ हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि देश की सर्वोच्च समिति, कैबिनेट में इस अवसर पर हम सब विद्यमान हैं।

❍ प्रधानमंत्री जी, आपने अपने कार्यों से इस राष्ट्र का मनोबल ऊंचा किया है और सांस्कृतिक आत्मविश्वास मजबूत किया है।

❍ प्राण-प्रतिष्ठा में जिस तरह का भावनात्मक जन-सैलाब हमने देशभर में देखा, भावनाओं का ऐसा ज्वार हमने पहले कभी नहीं देखा।

❍ हालांकि, जन-आंदोलन के रूप में हमने इमरजेंसी के समय भी लोगों के बीच में एकता देखी थी, लेकिन वह एकता तानाशाही के विरुद्ध, एक प्रतिरोधी आंदोलन के रूप में उभरी थी।

❍ भगवान राम के लिए जो जन-आंदोलन हमें देखने को मिला, वह एक नए युग का प्रवर्तन है।

❍ देशवासियों ने शताब्दियों तक इसकी प्रतीक्षा की और आज भव्य राम मंदिर में भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ एक नए युग का प्रवर्तन हुआ है। आज यह एक नया नरेटिव सेट करने वाला जन-आंदोलन भी बन चुका है।

❍ प्रधानमंत्री जी, इतना बड़ा अनुष्ठान तभी संपन्न हो सकता है, जब अनुष्ठान के कारक पर प्रभु की कृपा हो।

❍ जैसा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है कि 'जा पर कृपा राम की होई। ता पर कृपा करै सब कोई।।' यानि कि जिस पर स्वयं श्रीराम जी की कृपा हो, उस पर सभी की कृपा होती है।

❍ प्रधानमंत्री जी, श्रीराम जन्मभूमि का आंदोलन स्वतंत्र भारत का एकमात्र आंदोलन था, जिसमें पूरे देश के लोग एकजुट हुए थे। इससे करोड़ों भारतीयों की वर्षों की प्रतीक्षा और भावनाएं जुड़ी थीं।

❍ आपने 11 दिनों का अनुष्ठान रखा और भारत में भगवान श्रीराम से जुड़े तीर्थों में तपस्या भाव से उपासना करके भारत की राष्ट्रीय एकात्मता को ऊर्जा प्रदान की। इस हेतु हम केवल कैबिनेट सदस्य के नाते ही नहीं, बल्कि एक सामान्य नागरिक के रूप में भी आपका अभिनन्दन करते हैं।

❍ माननीय प्रधानमंत्री जी जनता का जितना स्नेह आपको मिला है उसे देखते हुए आप जननायक तो हैं ही, परन्तु अब इस नए युग के प्रवर्तन के बाद, आप नवयुग प्रवर्तक के रूप में भी सामने आए हैं।

आपका कोटिशः साधुवाद, और भविष्य के भारत में हम सब आपके नेतृत्व में आगे बढ़ें, हमारा देश आगे बढ़े, इसके लिए आपको ढेर सारी शुभकामनाएं।

चूंकि यह मंदिर हजारों सालों के लिए बना है, और आपने अपने संबोधन में कहा है।

22 जनवरी का सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। यह कैलेण्डर पर लिखी केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक नए कालचक्र का उद्गम है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हो रहा राष्ट्र, अतीत के हर दंश से हौसला लेता हुआ राष्ट्र, ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है। आज से हजार साल बाद भी लोग आज के इस तारीख को, आज के इस पल को याद करेंगे और चर्चा करेंगे। और यह कितनी बड़ी राम कृपा है कि हम इस पल को जी रहे हैं, इसे साक्षात् घटित होते देख रहे हैं। आज दिन-दिशाएं, दिग-दिगंत... सब दिव्यता से परिपूर्ण हैं। ये समय सामान्य समय नहीं है। ये काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रही अमिट स्मृति रेखाएं हैं।''

और इसीलिए आज की इस कैबिनेट को यदि सहस्त्राब्दि की कैबिनेट, यानि कैबिनेट ऑफ मिलेनियम भी कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस हेतु हम सब आपका अभिनंदन करते हैं व एक-दूसरे को बधाई देते हैं।

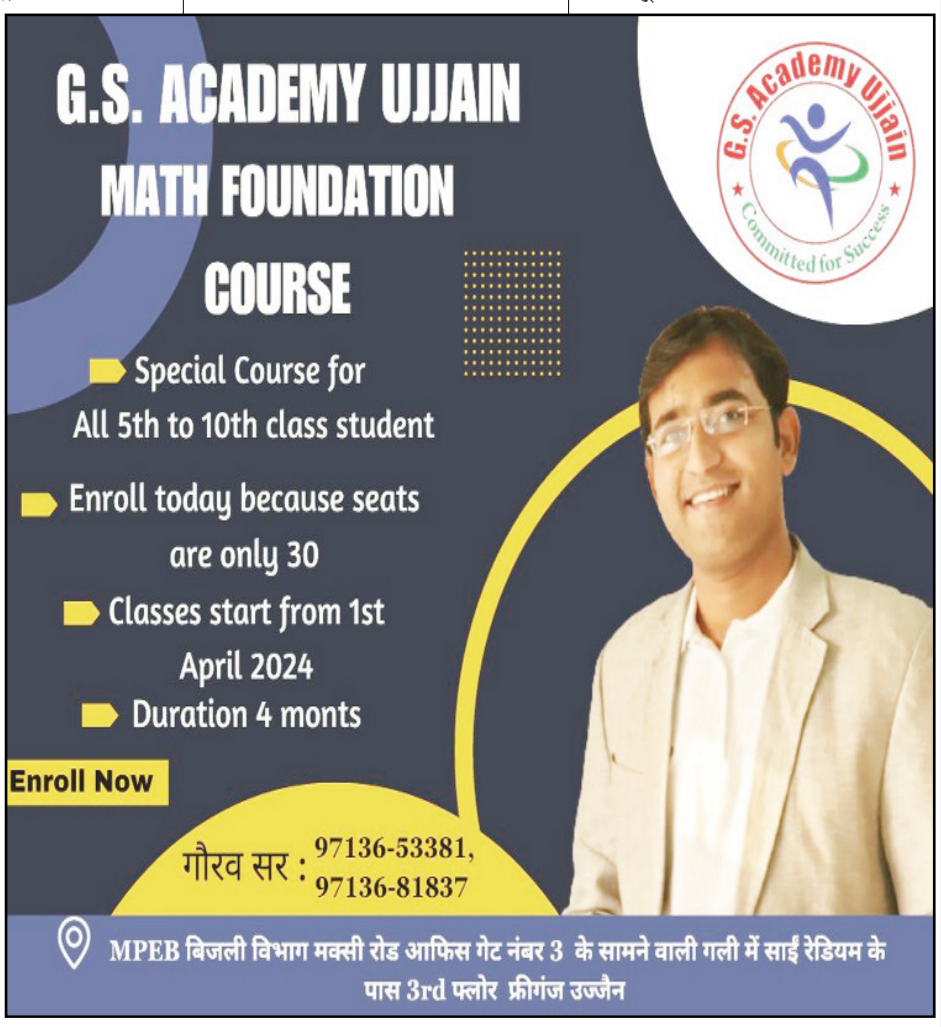

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)